भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
04.08.2023 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1879 का उत्तर

माल परिवहन के माध्यम से अर्जित राजस्व

1879. श्री नीरज डांगीः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान माल परिवहन के माध्यम से रेलवे द्वारा जोन-वार कुल कितना राजस्व अर्जित किया गया है;

(ख) क्या माल ढुलाई राजस्व में सड़क की तुलना में रेल मार्ग का हिस्सा बहुत कम है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) उक्त अवधि के दौरान रेलवे द्वारा माल परिवहन के माध्यम से प्रत्येक वर्ष कितना मीट्रिक टन सामान लोड किया गया, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त अवधि के दौरान दर्ज मुनाफे का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

s.k

माल परिवहन के माध्यम से अर्जित राजस्व के संबंध में 04.08.2023 को राज्य सभा में श्री नीरज डांगी के अतारांकित प्रश्न सं. 1879 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित **विवरण।**

(क): पिछले 3 वर्षों के दौरान भारतीय रेल द्वारा अर्जित की गई मालभाड़ा राजस्व की जोन-वार स्थिति निम्नानुसार हैः

(करोड़ रु. में)

जोन	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23 (अनंतिम)**
मध्य	7,022.88	9,243.03	10,392.33
पूर्व	4,483.80	5,487.43	6,168.65
पूर्व मध्य	9,415.00	11,564.75	13,577.64
पूर्व तट	16,913.89	18,511.22	20,290.87
उत्तर	7,249.66	9,823.37	12,547.29
उत्तर मध्य	7,577.66	10,093.16	12,011.71
पूर्वोत्तर	1,603.42	1,643.18	1,907.00
पूर्वोत्तर सीमा	2,190.66	2,606.52	3,198.52
उत्तर पश्चिम	4,856.63	5,228.14	6,840.71
दक्षिण	2,604.04	3,112.85	3,446.97
दक्षिण मध्य	9,031.72	12,320.14	14,246.99
दक्षिण पूर्व	13,855.63	14,734.79	15,730.00
दक्षिण पूर्व मध्य	13,430.93	15,680.23	17,397.07
दक्षिण पश्चिम	3,061.72	3,842.07	4,202.20
पश्चिम	5,949.81	7,495.27	8,943.11
पश्चिम मध्य	7,984.37	9,710.24	11,361.84
कुल	1,17,231.82	1,41,096.39	1,62,262.90

(ख): कुल माल परिवहन में रेल एवं सड़क हिस्सों का नियमित संकलन नहीं किया जाता है। पिछली बार इ से राष्ट्रीय रेल योजना अध्ययन के भाग के रूप में रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विसेज लिमिटेड द्वारा संकलित किया गया था , जिसके अनुसार रेल का वर्ष 2017-18 में मॉडल शेयर लगभग 26 % था। भारतीय रेल ने इंडिया-2030 के लिए राष्ट्रीय

रेल योजना तैयार की है। इस योजना का उद्देश्य मांग से पूर्व क्षमता सृजन करना है जिसके परिणामस्वरूप 2050 तक मांग में भावी वृद्धि की आवश्यकता को भी पूरा किया जाएगा और साथ ही, भावी यातायात में रेलवे के मॉडल शेयर को भी 40- 45% तक बढ़ाया जाएगा और इसे बनाए रखा जाएगा।

(ग): पिछले तीन वर्ष के दौरान लादे गए मालों की पण्य-वार स्थिति निम्नानुसार हैः

क्र. सं.	पण्य	प्रारंभिक टन (मिलियन में)		
		2020-21	2021-22	2022-23 (अनंतिम)
1	कोयला	541.82	652.81	727.24
2	लौह अयस्क को छोड़कर इस्पात संयंत्रों के लिए कच्ची सामग्री	24.90	29.03	28.15
3	कच्चा लोहा और निर्मित इस्पात	60.06	68.50	69.87
4	लौह अयस्क	159.13	168.36	160.14
5	सीमेंट	120.40	137.19	143.93
6	खाद्यान्न	62.82	73.38	70.92
7	उर्वरक	53.79	49.18	56.34
8	खनिज तेल (पीओएल)	42.48	44.46	48.22
9	कंटेनर सेवा	63.16	74.26	79.22
10	अन्य माल	102.38	118.70	125.07
	कुल	1230.94	1415.87	1509.10

(घ): पिछले तीन वर्षों के दौरान माल ढुलाई सेवा में लाभ का उपलब्ध ब्यौरा निम्नानुसार हैः

(करोड़ रु. में)

वर्ष	माल ढुलाई सेवा में लाभ
2019-20	28,745
2020-21 (कोविड वर्ष)	17,252
2021-22	36,196

******

s.k